सांध्य दैनिक **4PM**

मैं सही निर्णय लेने में विश्वास नहीं करता। मैं निर्णय लेता हूं और फिर उन्हें सही साबित कर देता हूं।
–रतन टाटा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 125 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 8 जून, 2024

अफगानिस्तान के गेंदबाजों के आगे... 7 | मोदी के लिए सरकार चलाना नहीं... 3 | जनता ने बचा लिया लोकतंत्र और... 2

एनडीए सरकार में कैबिनेट मंत्रियों को लेकर मची रार

विपक्ष के निशाने पर आए भाजपा नेता मोदी

- सियासी बैठकों में रणनीति पर विचार
- लोस में विपक्ष के नेता पर भी माथापच्ची
- लखनऊ में बैठकों का दौर जारी, सपा-भाजपा ने अपने-अपने नेताओं को बुलाया
- मंत्रिमंडल को लेकर टीडीपी-जदयू से चल रही बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनावों के नतीजे आ चुके हैं। अब यह स्पष्ट हो चुका है कि एनडीए नरेंद्र मोदी के लीडरशिप में सरकार बनाएगी। वहीं यह भी तय हो गया है इंडिया गठबंधन मजबूत विपक्ष की भूमिका में रहेगा। अब दोनों ही खेमों में बैठकें जारी हैं। उधर राज्यों में भी सियासी पार्टियों की बैठकें हो रही है। इन बैठकों में जीत-हार पर नेताओं से चर्चा की जाएगी और उसी के आधार पर आगे की रणनीति बनाई जाएगी। वहीं दिल्ली में एनडीए के सियासी दलों की बैठक नई बनने वाली सरकार में मंत्री पद को लेकर हो रही है इसमे सहमति बनाने की कोशिश हो रही है कि सहयोगी दलों की मांगों को माना भी जाए और कोई विवाद भी न हो। उधर विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस ने संसदीय दल के नेता के लिए माथापच्ची शुरू कर दी है।

नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की तैयारियां चल रही हैं। वह रविवार शाम 5 बजे राष्ट्रपति भवन में शपथ ग्रहण करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर अहम बैठक चल रही है, इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल हैं। सूत्रों की मानें तो मंत्रिमंडल को लेकर भी इस बैठक में चर्चा संभव है। सूत्रों की मानें तो मोदी कैबिनेट में कई सहयोगी दलों के सांसदों को भी शामिल किया जा सकता है। बीती रात बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर एनडीए गठबंधन के नेताओं की बैठक हुई। इस बैठक में मंत्रालयों को लेकर चर्चा हुई। सूत्रों की मानें तो एनडीए की सहयोगी तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी), जनता दल युनाइटेड (जदयू) और जनता दल (सेक्युलर) समेत अन्य पार्टियों ने बीजेपी के सामने अपनी मांग रख दी है। हालांकि, अभी तक ये सामने नहीं आया है कि किस दल को क्या पोर्टफोलियो मिलने जा रहा है।

हमें एकजुट होना चाहिए : खरगे

बैठक के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने भाषण की शुरूआत में कहा अगर मैं आईएनडीआईए के सहयोगियों को स्वीकार नहीं करता तो मैं अपने कर्तव्य में विफल हो जाऊंगा, जिसमें प्रत्येक पार्टी ने अलग-अलग राज्यों में अपनी निर्धारित भूमिका निभाई, प्रत्येक पार्टी ने दूसरे के लिए योगदान दिया। खरगे ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा कि? हमें अनुशासित और एकजुट होना चाहिए। लोगों ने हम पर काफी हद तक अपना विश्वास जताया है और हमें इस पर और काम करना चाहिए। हम इस फैसले को पूरी विनम्रता के साथ स्वीकार करते हैं, जबकि हम पुनरुद्धार का जश्न मना रहे हैं; हमें थोड़ा रुकना चाहिए, क्योंकि कुछ राज्यों में हमने अपनी क्षमताओं और अपेक्षाओं के अनुसार प्रदर्शन नहीं किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी नेताओं से कहा कि हम उन राज्यों में अपना प्रदर्शन नहीं दोहरा पाए, जहां हमने पहले विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया था और सरकार बनाई थी। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही ऐसे प्रत्येक राज्य पर अलग-अलग चर्चा करेंगे। हमें तत्काल सुधार के लिए उपाय करने होंगे।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक शुरू, राहुल गांधी पर हो सकता है बड़ा फैसला

लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार आज कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक होगी। बैठक में कांग्रेस चुनाव नतीजों की समीक्षा करेगी, साथ ही भविष्य की रणनीति पर भी मंथन होगा। जानकारी के अनुसार यह बैठक होटल अशोक में आज सुबह 11 बजे होगी। इसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित पार्टी के कई अन्य शीर्ष नेता भी शामिल होंगे।

राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष बनना ही होगा : वीरप्पा मोइली

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक से पहले कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने कहा कि यह सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की आवाज है कि उन्हें (राहुल गांधी) विपक्ष का नेता बनाया जाए। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा हमारी मांग रही है कि राहुल गांधी आगे आएं और पार्टी संभालें लेकिन अंतिम फैसला नेतृत्व का है। इस बैठक में लोकसभा नेता प्रतिपक्ष का नाम तय किया जा सकता है।

बची-खुची सरकार भी चली जाएगी : प्रमोद तिवारी

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा, वे नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू पर निर्भर करते हैं और आप देखिएगा कि कुछ दिनों में उनकी सरकार ऐसी गिरेगी कि जहां बची-कुची है वो भी चली जाएगी।

'मोदी की हार' वाले जनादेश में उम्मीद की किरण तलाशी जा रही है : जयराम

कांग्रेस ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नैतिक, राजनीतिक और व्यक्तिगत हार हुई लेकिन इसमें भी उम्मीद की किरण तलाशी जा रही है तथा उनके चुनावी प्रदर्शन को लाजवाब बताने का प्रयास हो रहा है। भाजपा ने इस चुनाव में 240 सीट जीती हैं। नरेन्द्र मोदी के लिए ढोल पीटने वाले उनकी नैतिक, राजनीतिक और व्यक्तिगत हार वाले जनादेश में भी उम्मीद की किरण तलाश रहे हैं। इसे खूब प्रचारित किया जा रहा है कि जवाहरलाल नेहरू के बाद नरेन्द्र मोदी लगातार तीन बार जनादेश प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हैं।

योगी-अखिलेश दोनों ने बुलाई बैठक

आज सपा संसदीय दल की बैठक प्रदेश कार्यालय में होगी। बैठक में सपा प्रमुख अखिलेश यादव नवनिर्वाचित सांसदों से मुलाकात करेंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सभी सांसदों को लखनऊ बुलाया है। इसमें सपा संसदीय दल के नेता का भी चुनाव होगा। सपा मुखिया सांसदों से आगामी रणनीति पर बातचीत करेंगे व मोदी व योगी सरकार से आगे किस तरह टक्कर देना है इस पर जरूरी दिशा-निर्देश भी देंगे। बैठक में खासतौर से इस बात पर फोकस किया जाएगा कि जनता ने सपा को जो बड़ी जीत दी है, उसको लेकर मोदी-योगी सरकार से कैसे लड़ना है, जनता की समस्याओं को कैसे उठाकर काम करना है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को उत्तर प्रदेश में मिली हार के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शनिवार को अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों की बैठक बुलाई है। बैठक में मुख्यमंत्री हार के कारणों की समीक्षा के साथ ही मंत्रियों के कार्यों को भी देखेंगे। बैठक के लिए दिन में 11 बजे सभी कैबिनेट व राज्यमंत्रियों को बुलाया गया है। मुख्यमंत्री की इस बैठक में प्रदेश के कामकाज को लेकर भी मंथन होगा।

जनता ने बचा लिया लोकतंत्र और संविधान : अखिलेश यादव

बोले-जनता हमारी प्राथमिकता है और सदैव रहेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी का संदेश हम सबसे नई उम्मीदों और नई अपेक्षाओं का जनादेश है। इस जनादेश को हम एक नए दायित्व के रूप में स्वीकार करते हैं। इंडिया गठबंधन के सभी सांसद अपने कर्तव्य को बखूबी निभाएंगे। जनता हमारी प्राथमिकता है और सदैव रहेगी। लोकसभा चुनाव में सपा के 37 सीटें जीतकर तीसरी बड़ी ताकत बनने पर शुक्रवार को अखिलेश यादव का प्रदेश पार्टी मुख्यालय पर जोरदार स्वागत किया गया।

उन्होंने अयोध्या से सपा की जीत का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि इस लोकसभा चुनाव में विचारधारा और संविधान की जीत हुई है। जनता ने संविधान और लोकतंत्र को बचाने का काम किया है। अखिलेश यादव ने सभी निर्वाचित सांसदों को बधाई देते हुए कहा कि हर शोषित, पीड़ित और वंचित की सेवा ही हम सबका पहला कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि हमारे जो भी प्रत्याशी भाजपाई-प्रशासनिक घपलों की वजह से जीत दर्ज नहीं कर पाए, दरअसल वो सब भी जीते हुए ही हैं। भाजपा को जो भी वोट मिला है, उसका आधार जनता के वोट नहीं, बल्कि उनका प्रशासनिक तंत्र और उनकी घपलेबाजी है। उन्होंने कहा कि लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में जनता ने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को भरपूर समर्थन दिया है। इसलिए ऐसे सभी जुझारू प्रत्याशियों को हम जनता के सच्चे प्रतिनिधि के रूप में किसी भी अन्य सांसद के बराबर मानते हुए 'सम्मांसद' की जन-उपाधि से सुशोभित मानते हैं। आनेवाला समय उनका ही होगा।

लोकसभा में मुखर होकर उठाएं मुद्दे

चुनाव परिणाम आने के बाद अखिलेश यादव ने लखनऊ में पार्टी के सांसदों-विधायकों के साथ बैठक की। इस मौके पर शिवपाल यादव ने भी संबोधन दिया। सुल्तानपुर लोकसभा सीट पर भाजपा नेता मेनका गांधी को हराने वाले रामभुआल निषाद ने कहा कि यूपी के विधानसभा चुनाव में सपा जीतेगी। लोकसभा चुनाव में सपा ने यूपी में अकेले 37 सीटों पर और कांग्रेस के साथ मिलकर 43 सीटें जीती। यह प्रदर्शन सपा के लिए ऐतिहासिक है और बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। अब कहा जा रहा है कि अखिलेश यादव केंद्र की राजनीति करेंगे और यूपी में नेता प्रतिपक्ष किसी और को बनाया जाएगा।

राहुल ही अपनी सीटों पर करेंगे निर्णय : पांडेय

» प्रदेश कांग्रेस ने पास किया प्रस्ताव

» कहा-रायबरेली सीट को ही रखें राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राहुल गांधी रायबरेली और वायनाड दोनों सीटों से चुनाव जीते हैं। ऐसे में वह कौन सी सीट छोड़ेंगे। इस पर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने बताया कि हम प्रदेश के लोगों की भावना से राहुल को अवगत कराएंगे।

वह रायबरेली सीट को रखें और प्रदेश में नेतृत्व करें, यह प्रस्ताव आज बैठक में पास किया गया है। इस प्रस्तावा को भी उनके पास भेजा जाएगा। हालांकि अंतिम निर्णय खुद राहुल लेंगे। राहुल पहले भी वीडियो बनाकर यह बात कह चुके हैं कि वह खुद नहीं समझ पा रहे हैं कि वह कौन सी सीट रखें और कौन सी छोड़ें। उन्होंने कहा कि उनकी तो इच्छा दोनों को ही रखने की है लेकिन नियमत: ऐसा नहीं हो सकता।

अखिलेश यादव से मिले नेता

लोकसभा चुनाव 2024 में प्रदेश में इंडिया गठबंधन को मिली जीत के बाद कांग्रेस के महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से उनके आवास पर मिलकर बधाई दी। इस अवसर पर कांग्रेस के सचिव व प्रदेश के सहप्रभारी धीरज गुर्जर, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' आदि उपस्थित थे। वहीं सपा से आगे गठबंधन के सवाल पर अविनाश पांडेय ने कहा कि यह सहयोग आगे भी चलता रहेगा। केंद्र, राज्य में मिलकर साझा कार्यक्रम करेंगे।

जनता के बीच जाएगी कांग्रेस

कांग्रेस को जिन मुद्दों ने लोकसभा चुनाव में जीत दिलाई। कांग्रेस अपनी पांच न्याय, गारंटी कार्ड में किए वादों को लेकर संघर्ष जारी रखेगी। पार्टी युवाओं के रोजगार, किसानों को उनकी फसल के उचित दाम, महिलाओं को उनका हक दिलाने, मजदूरों को उचित मानदेय के लिए संघर्ष जारी रखेगी और सरकार पर दबाव बनाएगी कि वह इससे जुड़े निर्णय लें। यह जानकारी कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शुक्रवार को संयुक्त प्रेसवार्ता में दी।

धन्यवाद यात्रा निकालेगी कांग्रेस, सभी सीटों तक पहुंचाएगी राहुल-प्रियंका का संदेश

यूपी में लोकसभा चुनाव के परिणामों से उत्साहित कांग्रेस पार्टी 11 जून से 15 जून तक प्रदेश में धन्यवाद यात्रा निकालेगी। इसके जरिए पार्टी प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों तक पहुंचेगी और जनता से आभार जताएगी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का संदेश जनता तक पहुंचाएगी। ये जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने दी। पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी ने लोकसभावार चुनाव परिणाम की समीक्षा की। हम 17 सीटों पर लड़े और छह पर जीते। हमने गठबंधन के रूप में चुनाव में भाग लिया और हमारा गठबंधन प्रदेश की 43 सीटों पर विजयी रहा। बैठक में महिला अधिकार समेत 9 प्रस्ताव पास किए गए।

'शेर बच्चा पैदा किया है'

» सोनिया गांधी से बोलीं के एल शर्मा की पत्नी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। अमेठी से कांग्रेस के नवनिर्वाचित सांसद किशोरी लाल शर्मा ने हाल ही में दिल्ली में गांधी परिवार से मुलाकात की। के एल शर्मा ने अपनी पत्नी की भी मुलाकात गांधी परिवार से करवाई उनकी पत्नी ने सोनिया गांधी से कहा कि उन्होंने एक शेर को जन्म दिया है।

कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि अमेठी से नवनिर्वाचित सांसद के एल शर्मा और उनकी पत्नी सोनिया गांधी से मिलने आए हैं और यहां पर उनकी पत्नी ने कहा कि आपने एक शेर को जन्म दिया है और इसी की प्रतिक्रिया देते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि हां, क्योंकि मैं शेरनी हूं। ये वीडियो एक्स ही नहीं तमाम सोशल मीडिया साइटों पर गजब ट्रेंड कर रहा है। कांग्रेस ने वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा कि कांग्रेस का अमेठी-रायबरेली से अटूट नाता रहा है।

सब ठीक है, राजग में बने रहेंगे : जयंत

» मंच वाले बवाल को बताया बेफिजूल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनडीए सरकार का शपथग्रहण समारोह 09 जून को होना है। लेकिन उससे पहले ही गठबंधन में मनमुटाव की खबरें सामने आने लगीं हैं। 7 जून को एनडीए की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें नरेंद्र मोदी को तीसरी बार संसदीय दल का नेता चुना गया। इस बैठक में भाजपा समेत उसे सभी सहयोगी दलों को आमंत्रित किया गया था।

एनडीए में शामिल सभी दल मंच पर मोदी के साथ नजर आए, लेकिन आरएलडी नेता जयंत चौधरी नदारद दिखे। जिसके बाद सपा और कांग्रेस ने इसे मुद्दा बनाते हुए मंच पर जगह नहीं देने को जयंत चौधरी का अपमान बताया है। जयंत चौधरी ने हालांकि इस मुद्दे पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा। उन्होंने बस इतना कहा कि एनडीए संसदीय दल की बैठक में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद के लिए चुना गया है। एनडीए की बैठक में हमने कई चर्चाएं की हैं। जिस तरह पीएम मोदी ने 10 साल काम किया है, उसी ऊर्जा के साथ आगे काम करेंगे। उन्होंने अपने मंत्री पद को लेकर भी कोई जिक्र नहीं किया।

मोदी ने रालोद को किया बेइज्जत : अजय राय

वहीं कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को उठाने में कोई कोरकसर बाकी नहीं छोड़ी। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जयंत चौधरी को नरेंद्र मोदी के साथ मंच पर जगह नहीं मिली। मोदी जी के यहां जो जाएगा, उसके साथ यही होगा। पार्टी में शामिल कराते वक्त बड़े-बड़े गुलदस्ते और हार दिए जाते हैं, लेकिन बाद में अपमानित किया जाता है। उनको बेइज्जत किया जाता है।

राजग से दूरी बनाएं जयंत : सपा

समाजवादी पार्टी ने जयंत चौधरी की इन तस्वीरों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया और तंज कसते हुए लिखा, आरएलडी पार्टी के मुखिया जयंत चौधरी को मंच पर जगह तक नहीं दी गई, जबकि उनकी दो सीटें हैं, वहीं 1-1 सीट वाले दलों के नेताओं को मंच पर साथ में बिठाया गया है। सपा ने आगे लिखा, भाजपा की जाट समाज से नफरत और स्व. चौधरी चरण सिंह जी एवं चौधरी अजीत सिंह जी के प्रति नाटकीय झूठे सम्मान का भंडाफोड़ हो गया है। जयंत चौधरी जी अगर सच में किसान हितैषी हैं, तो उन्हें एनडीए से दूरी बनानी चाहिए और किसान हितों पर भाजपा के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। छोटे और नजदीकी लालच के चक्कर में अपने स्वाभिमान और किसान हितों का सौदा भाजपा से नहीं करना चाहिए।

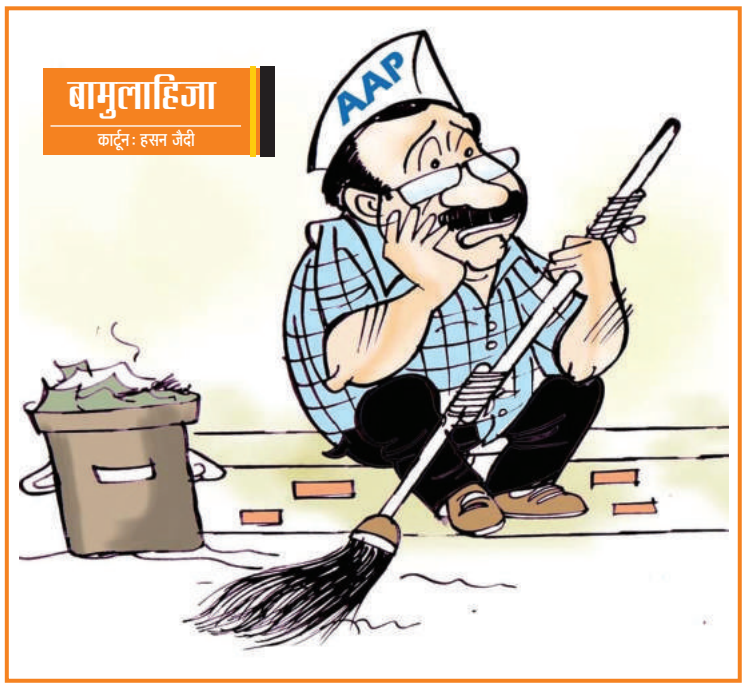

फडणवीस पर अभी कोई चर्चा नहीं : अजित पवार

» उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की पेशकश पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि लोकसभा चुनाव में राज्य में भाजपा के खराब प्रदर्शन को लेकर उपमुख्यमंत्री पद से देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की पेशकश पर दिल्ली में राजग की बैठक में चर्चा नहीं हुई।

भाजपा के सहयोगियों-तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री एवं जद (यू) प्रमुख नीतीश कुमार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता के तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम का अनुमोदन किया। दोनों दलों ने क्षेत्रीय आकांक्षाओं और राष्ट्रीय हितों के बीच संतुलन बनाने का भी संदेश दिया। अजित पवार ने कहा कि उपमुख्यमंत्री पद से फडणवीस के इस्तीफे की पेशकश भाजपा का आंतरिक विषय है और दिल्ली में राजग की बैठक में इस पर चर्चा करने की कोई वजह नहीं थी। अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को लोकसभा चुनाव में एक सीट पर जीत मिली है।

मोदी के लिए सरकार चलाना नहीं होगा आसान

एनडीए गठबंधन के नेता होंगे नरेंद्र मोदी

नायडू-नीतीश की नकेल से दबकर चलेगी नई सरकार

» गठबंधन में रहकर सत्ता चलाने में नौसीखिये हैं मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिर एनडीए ने सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया। रविवार को नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले लेंगे। ज्ञात है कि 4 जून को आए चुनाव परिणाम में किसी भी पार्टी को बहुमत नही मिला। सबसे ज्यादा 240 सीटें भाजपा को मिली। भाजपा ने चूकि चुनावों से पहले गठबंधन बना रखा था इसलिए उसके गठबंधन को 292 सीटें मिली जो बहुमत के आंकड़े से 20 सीटें ज्यादा हैं इसलिए एनडीए ने आराम से सरकार बना रही है।

हालांकि भाजपा नेता नरेन्द्र मोदी को एनडीए का नेता चुनने में दो से चार दिन लग गए। ये समय शायद इसलिये लगा क्योंकि एनडीए के सबसे बड़े दो घटक दल टीडीपी व जेडीयू को कुछ अपनी शर्तें रखनी थी। ऐसी चर्चा है इन दोनों दलों के प्रमुख नेता नीतीश कुमार व चंद्रबाबू नायडू अपने-अपने राज्यों क्रमशः आंध्र प्रदेश व बिहार को स्पेशल स्टेटस व कुछ बड़े मंत्रालय मांग रह थे उसी को मैनेज करने में समय लग गया। अब इस पर सियासी गलियारों में यह चर्चा हो रही है क्या ये सरकार आसानी से 5 साल चल पाएगी। ऐसा कहा जा रहा हे नरेन्द्र मोदी ने हमेशा बहुमत वाली सरकारें ही चलाई हैं और उनको गठबंधन सरकार चलाने का अनुभव नहीं है ऐसे में वह अपने सहयोगियों के साथ क्या सामंजस्य बनाकर सरकार चला पाएंगे या सरकार की कमान दूसरे को भी सौंपा जा सकता है। वहीं विपक्ष का दावा है यह एक अस्थिर सराकर होगी जो कभी भी गिर जाएगी।

एनडीए पहुंचा 300 के पार

आज की संसदीय दल की बैठक के बाद कुल मिलाकर कहें तो प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण का हर रास्ता क्लियर है और उसके लिए तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। राष्ट्रपति भवन में कुर्सियां लगनी शुरू हो गई है। यानी प्रधानमंत्री बनने के लिए नरेंद्र मोदी भी तैयार है और राष्ट्रपति भवन भी तैयार होना शुरू हो गया है। इसी जगह पर नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेकर अपना तीसरा कार्यकाल शुरू करेंगे। आजाद भारत में नरेंद्र मोदी नेहरू के बाद लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेने वाले दूसरे व्यक्ति होंगे। लेकिन इससे पहले बहुत कुछ चल रहा है और ये बहुत कुछ बयां भी कर रहा है। एनडीए ने अपने नंबर में पढ़ लिए हैं और यह नंबर 293 का नहीं बल्कि 300 के अंक को पार कर चुका है। 17 ऐसे सांसद हैं जो कि ना एनडीए में हैं ना इंडिया में जिसमें से 7 निर्दलीय, 4 जगन मोहन की पार्टी से हैं और 1 बीजू जनता दल से है। इसके अलावा एआईएमआईएम से 1, वीपीपी का एक, जेडीपीएम का एक, एएसकेपीआर के अलावा बीएपी का एक। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इनमें से 10 सांसद एनडीए के साथ जुड़ गए हैं। जिसके बाद एनडीए का आंकड़ा 293 से 303 पहुँच गया है। ये दोनों पक्ष के लिए झटके के जैसा है जिन्हें ये लग रहा था कि 293 का आंक?ा है और सरकार कभी भी गिर जाएगी। इंडिया अलायंस और चंद्रबाबू नायडू व नीतीश कुमार जिनकी बारगेनिंग पॉवर अब कम हो जाएगी।

बंगाल में ममता करेगी बीजेपी के साथ खेला?

बहुमत बनाने में लगी बीजेपी अपने नंबर को बरकरार रख पाएगी या नहीं इसको लेकर भी चर्चाएं तेज हो चली हैं। तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि बंगाल में बीजेपी के तीन सांसद पार्टी के संपर्क में हैं। यह घटनाक्रम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ पक्ष द्वारा एग्जिट पोल की भविष्यवाणियों को धता बताते हुए बंगाल के किले पर अपना कब्जा बनाए रखने के दो दिन बाद आया है। पश्चिम बंगाल में अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि बंगाल से जीतने वाले बीजेपी के तीन सांसद उनके संपर्क हैं। अभिषेक का इशारा ये है कि बीजेपी के तीन सांसद पाला बदलकर बीजेपी से टीएमसी के साथ आ सकते हैं। अभिषेक बनर्जी के दावे को बीजेपी हल्के में नहीं ले सकती है। ऐसा 2022 में हो चुका है जब चुनाव से पहले उसके कुछ नेता बीजेपी से चुनाव जीतकर वापस टीएमसी में चले गए। बंगाल में बीजेपी के पिछली बार 18 सांसद थे। लेकिन इस बार उनकी संख्या में 6 कम होकर 12 हो गई है।

महाराष्ट्र में पक रही कुछ अलग खिचड़ी

एनडीए में दूसरी उठा पटक के लक्षण महाराष्ट्र में दिखे हैं। महाराष्ट्र में बीजेपी की दोनों सहयोगी यानी शिंदे वाली शिवसेना और अजीत पवार वाली एनसीपी में भी हलचल मच सकती है। शिंदे गुट की शिवसेना के कुछ नेता कहा जा रहा है कि उद्धव गुट के संपर्क के हैं। शिंदे गुट के कुछ विधायक भी उद्धव सेना में लौट सकते हैं। लोकसभा चुनाव में उद्धव शिवसेना के 9 और शिंदे शिवसेना के 7 सांसद जीतकर संसद पहुंचे हैं। सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट वाली शिवसेना के आधे से ज्यादा नए सांसद उद्धव ठाकरे के संपर्क में हैं।

आप दिल्ली में अकेले लड़ेगी

इंडिया गठबंधन का टूटना शुरू हो गया है। कांग्रेस पर आम आदमी पार्टी के मंत्री गोपाल राय का बड़ा बयान सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव तक ही कांग्रेस का साथ था। गोपाल राय ने कह दिया है कि दिल्ली का विधानसभा चुनाव आम आदमी पार्टी अब अकेले लड़ेगी। ऐसे में पंजाब पहले ही इनका गठबंधन नहीं हुआ था अब दिल्ली में भी आपने कांग्रेस को टाटा बाय-बाय कह दिया है। केजरीवाल ने तो पहले ही कहा था कि कोई लव मैरिज थोड़ी ना हुई है कोई शादी थोड़ी ना हुई है। दिल्ली के मंत्री गोपाल राय ने कहा कि कांग्रेस के साथ गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए है और दिल्ली विधानसभा चुनाव में गठबंधन नहीं होगा। यह निर्णय गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में मुख्यमंत्री के आवास पर आप दिल्ली के विधायकों के साथ हुई बैठक के निष्कर्ष के रूप में आया।

मोदी को नहीं बनानी चाहिए सरकार : पायलट

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों से संकेत मिलता है कि लोगों ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को खारिज कर दिया है और इसलिए नरेंद्र मोदी को सरकार बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। भाजपा को आत्ममंथन करना चाहिए। सचिन पायलट ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि जब 1989 का चुनाव हुआ तो राजीव गांधी को करीब 200 सीटें मिलीं। उनसे सरकार बनाने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि उन्हें जनादेश नहीं मिला है. फिर, अगली सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने के लिए

कहा गया। राजस्थान कांग्रेस नेता ने कहा कि मौजूदा चुनाव नतीजे बीजेपी और एनडीए के खिलाफ हैं। सत्तारूढ़ भाजपा ने 240 सीटें जीतीं, जो बहुमत के 272 के आंकड़े से कम है। हालांकि, एनडीए में उसके चुनाव पूर्व गठबंधन सहयोगियों, जिनमें एन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी और नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) शामिल हैं। एनडीए सरकार के रविवार को शपथ लेने की संभावना है। पायलट ने कहा कि लोगों ने बीजेपी के मंदिर मस्जिद, हिंदू-मुस्लिम मुद्दों और मंगलसूत्र के अभियान को स्वीकार नहीं किया। केंद्र सरकार ने विशेष रूप से विपक्ष के खिलाफ एक रवैया अपनाया, उन्हें निशाना बनाया, निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला और ईडी जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग किया। और सीबीआई। इन सभी कार्यों को लोगों ने खारिज कर दिया है। राजस्थान में बीजेपी ने 25 में से 14 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने आठ सीटें हासिल कीं। सीपीआई (एम), राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और भारत आदिवासी पार्टी ने एक-एक सीट जीती।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आहत आदमी नहीं देखता हैसियत !

दरअसल, चंडीगढ़ एयरपोर्ट से दिल्ली जाते हुए बीजेपी सांसद कंगना रनौत को वहीं पर तैनात एक सीआईएसएफ के जवान ने थप्पड़ मार दिया। थप्पड़ चूकि सार्वजनिक स्थान पर मारा था, वह सारा वाक्या कैमरे में रिकॉर्ड हो गया था सो पूरे देश में वीडियो वायरल हो गया। इसी के साथ कुछ लोगों ने कॉस्टेबल के समर्थन में अपनी प्रतिक्रिया दी तो कुछ ने रनौत के पक्ष में अपने विचार रखे।

आदमी जब आहत होता है तो वह किसी की हैसियत नहीं देखता। बात जब अपने माता-पिता, परिवार से जुड़ा हो। अभी एक दिन पहले एक थप्पड़ कांड की गूंज हर जगह सुनाई दे रही है। दरअसल, चंडीगढ़ एयरपोर्ट से दिल्ली जाते हुए बीजेपी सांसद कंगना रनौत को वहीं पर तैनात एक सीआईएसएफ के जवान ने थप्पड़ मार दिया। थप्पड़ चूकि सार्वजनिक स्थान पर मारा था, वह सारा वाक्या कैमरे में रिकॉर्ड हो गया था सो पूरे देश में वीडियो वायरल हो गया। इसी के साथ कुछ लोगों ने कॉस्टेबल के समर्थन में अपनी प्रतिक्रिया दी तो कुछ ने रनौत के पक्ष में अपने विचार रखे। थप्पड़ मारने के सवाल पर उस सिपाही ने बताया कि तीन साल पहले अभिनेत्री कंगना के किसान आंदोलन के दौरान दिये गए उस बयान जिसमें उन्होंने कहा था कि ये किसान सौ-सौ रुपये लेकर वहां धरना देने आए हैं उससे आहत थी। उसने बताया कि उसके माता-पिता भी उस धरने में आए थे।

हमारे हिसाब से कंगना का यह बयान जहां घोर निंदनीय है वहीं उस महिला द्वारा इस तरह से एक नवनिर्वाचित सांसद पर थप्पड़ मारना भी कड़ी आलोचना करने वाली बात है। हालांकि उस महिला को सस्पेंड कर दिया गया है। इस कांड के बाद जहां कई नेताओं कार्रवाई की मांग की है तो कई नेताओं ने कहा है ऊंचे पदों पर बैठे लोगों को सोच-समझकर सार्वजनिक बयान देने चाहिए। इस मामले पर अब शिरोमणि अकाली दल की संसद हरसिमरत कौर बादल का बयान भी सामने आया है। हरसिमरत कौर ने कहा कि पंजाबी सबसे बड़े देशभक्त होते हैं जो सीमाओं पर और अन्न दाता के रूप में देश की सेवा कर रहे हैं। वहीं इस घटना के बाद कंगना भड़क है थी और उन्होंने बयान भी दिया था। हरसिमरत कौर ने कहा कि पंजाबी सबसे बड़े देशभक्त होते हैं जो सीमाओं पर और अन्न दाता के रूप में देश की सेवा कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन्होंने लिखा कि मैं केंद्र सरकार से आग्रह करती हु की पंजाबियों को आतंकवादी, उग्रवादी नहीं कहना चाहिए। सांप्रदायिक विभाजन को बढ़ावा देने से भी परहेज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाबी सबसे बड़े देशभक्त होते हैं। पंजाबी ही देश की सीमाओं पर डट कर खड़े हैं और खेतों में अन्नदाता के रूप में भी काम करते है। वहीं अधिकारियों ने बताया कि महिला सिपाही कुलविंदर कौर किसान प्रदर्शन पर कंगना रनौत के रुख को लेकर नाराज थीं। उन्होंने बताया कि सिपाही को निलंबित कर उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। हवाई अड्डों की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाली सीआईएसएफ ने घटना के संबंध में कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का भी आदेश दिया है। कुल मिलाकर अपनी नाराजगी व्यक्त करने के और भी तरीके हैं। इस तरह के हिंसात्मक रास्ता अख्तियार करने की जरूरत नहीं हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एक त्रुटिपूर्ण रणनीति का बेढंगा निपटान

रमेश इन्दर सिंह

वर्ष 1984 एक विध्वंसक साल रहा। इसमें घटित बड़े प्रसंग गौरतलब हैं- ऑपरेशन ब्लू स्टार, प्रधानमंत्री की हत्या और सिख विरोधी नरसंहार- इस एक बरस ने राष्ट्र के आंतरिक विमर्श और इतिहास का जिस प्रकार निर्धारण किया उतना शायद आजादी के उपरांत किसी अन्य साल ने नहीं किया। 40 साल गुजरना भी इसके आघात की टीस नहीं भर पाया। प्रभावित हुए लोगों को न्याय न मिलने की धारणा और त्रासदी की चुभन अभी भी सालती है। तमाम संबंधित पक्षों - राजनीतिक तत्व, सरकार के इशारे पर काम करने वाले, आतंकवादी और नरसंहार में लिप्त भीड़- की जवाबदेही तय करने के लिए यदि सत्य एवं सुलहकारी कोई आयोग बनाया गया होता तो शायद न्यायिक प्रक्रिया एवं मान-मनौव्वल से अंतत: आहत भावनाओं के मामले का संतोषप्रद समाधान हो पाता।

क्या ऑपरेशन ब्लू स्टार करने से बचा जा सकता था? तत्कालीन केंद्रीय सरकार आतंकवाद को खत्म के वास्ते इस कार्रवाई को बतौर एक अवश्यंभावी उपाय पेश करती रही। उस वक्त हथियारबंद विद्रोहियों ने पूरे स्वर्ण मंदिर परिसर पर कब्जा कर रखा था और हथियारों से लैस चौकियां बना डाली और संवैधानिक रूप से स्थापित राष्ट्र-नीति की वैधता को चुनौती देने को उद्यत थे। आम दलील अक्सर यह आती है- यदि स्वर्ण मंदिर परिसर में सशस्त्र विद्रोही किलेबंदी न करते तब क्योंकर सेना लगाने की जरूरत पड़ती। आस्थावानों की धारणा किंतु इससे विपरीत है। ऑपरेशन ब्लू स्टार को सिखों के सबसे पवित्रतम स्थल को अपमानित करने की एक पूर्व निर्धारित योजना के रूप में देखा जाता है, जिसके पीछे मकसद था ध्रुवीकरण पैदा करके कुछ महीने बाद होने वाले आम चुनाव में राजनीतिक लाभ उठाना। इसको समझने के लिए आठवीं लोकसभा के चुनाव प्रचार में जारी विज्ञापनों में ध्रुवीकरण करती इबारत बांचें तो -'क्या देश की सीमा अतंत: आपकी दहलीज़ तक आ जाएगी' या सिख चालक वाली टैक्सी दिखाकर संलग्न किया सवाल 'क्या आप इस टैक्सी में सुरक्षित महसूस करेंगे'।

विध्वंसक घटनाएं अक्सर उद्देश्य को ढांप देती है, विशेषकर आस्था के मामले में। ब्लू स्टार के मामले में अब कुछ तथ्य पूरी तरह स्थापित एवं किंतु-परंतु से इतर स्पष्ट हैं। संक्षेप में घटनाक्रम बताएं तो, अकाली दल ने 4 अगस्त, 1982 को अपनी दस मांगों को लेकर मोर्चा लगाने का ऐलान किया- इनमें धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक और अंतर-राज्यीय विवाद संबंधी मुद्दे थे। इसके लिए प्रदर्शनकारी रोज शांतिपूर्ण ढंग से गिरफ्तारियां देते थे। जून 1984 तक, लगभग 1 लाख 70 हजार कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी दी। पंजाब के लगभग 12000 गांवों में शायद ही कोई ऐसा होगा जहां से लोगों ने इस आंदोलन में भाग न लिया हो। अकालियों को अपने अनाड़ीपन में लगता था कि यदि वे जेलें भर देंगे तो केंद्र सरकार उनकी मांगें मानने को मजबूर हो जाएगी। लगभग दो साल चले इस आंदोलन में कोई 26 मौके ऐसे आए जब समझौते के प्रयास सिरे चढ़ते महसूस हुए, कुछ में प्रधानमंत्री और विपक्षी नेताओं ने भी भाग लिया। कम से कम दो अवसर ऐसे रहे जब सहमति पूरी तरह बन गई लेकिन केंद्र सरकार ऐन मौके पर पीछे हट गई। लगता है सरकार ने राजनीतिक हल न निकालने का मन बना लिया था और कैबिनेट की उप समिति ने मई 1984 में समस्या का सैन्य समाधान करना चुना। प्रणब मुखर्जी द्वारा पेश चेतावनी को किनारे करते हुए प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कहा 'प्रणब, मुझे नतीजों के बारे में ज्ञान है यह निर्णय बदला नहीं जा सकता'। फिर 25 मई को सेना प्रमुख को सेना को अमृतसर पहुंचाने के आदेश दिए गए हालांकि दिखावे के तौर पर 29 मई को अकालियों के एक प्रतिनिधिमंडल से केंद्रीय मंत्रियों का समझौता वार्ता का क्रम जारी रहा। इसमें आम सहमति बन भी गई लेकिन बाद में केंद्रीय मंत्री अपनी बात से यह कहकर पीछे हट गए 'मैडम नहीं मान रहीं'। पंजाब के तत्कालीन राज्यपाल बीडी पांडे को सेना बुलाने के लिए अर्जी देने के कहा गया और इसके वास्ते औपचारिक आदेश पंजाब के गृह सचिव ने 2 जून को जारी किए।

सेना ने स्वर्ण मंदिर और अन्य 42 गुरुद्वारों पर कार्रवाई की। राज्यपाल पांडे ने सैन्य अभियान न किए जाने की गुहार लगाई और बाद में पुष्टि की कि प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी राजनीतिक हल नहीं चाहती थीं। उधर जरनैल सिंह भिंडरावाले के साथ भी सरकार की प्रस्तावित वार्ताएं दो बार स्थगित हुईं - जिसमें एक सीधी राजीव गांधी से होनी थी- तब जरनैल सिंह भिंडरांवाले ने अपने समर्थकों से कहा 'वार्ता भले जारी रखो, लेकिन अपनी तैयारी भी पूरी रखो'। और यह तैयारी थी सशस्त्र आंदोलन की, जो अकाली दल के शांतिपूर्ण मोर्चे के समानांतर चली हुई थी। विद्रोही इसे 'हकां दी लड़ाई' करार दे रहे थे।

मैक्सिको में सिर चढ़ बोला शीनबाम का काम चर्चा में चेहरा

अरुण नैथानी

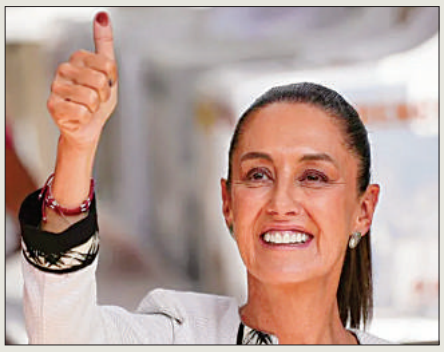

यह साल पूरी दुनिया में बड़े लोकतंत्रों में चुनावों का साल है। भारत में लंबे चुनाव अभियान के बाद सरकार बनने जा रही है, तो हाल ही के महीनों में पाक व बांग्लादेश में चुनाव संपन्न हुए हैं। सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के बाद अब दुनिया के सबसे ताकतवर लोकतंत्र अमेरिका में चुनावों की गहमागहमी शुरू हो चुकी है। इस बीच लैटिन अमेरिकी देश मैक्सिको से एक उम्मीद जगाती खबर आई है। इस देश की आजादी के दौ सौ सालों में पहली बार एक महिला राष्ट्रपति बनी है। क्लाउडिया शीनबाम की लोकप्रियता का आलम यह है कि उन्होंने अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी को दुगने से अधिक वोटों के अंतर से हराया। उन्हें अपनी निकटतम महिला प्रतिद्वंद्वी गैल्वेज रुईज से तीस फीसदी अधिक मत मिले। पूर्व सीनेटर एवं तकनीकी उद्यमी गैल्वेज ने मादक पदार्थों से जुड़े गिरोहों से निपटने का वादा किया था। दरअसल, क्लाउडिया शीनबाम का शानदार अकादमी करिअर रहा है।

वे मूलत: जलवायु वैज्ञानिक रही हैं। उन्होंने भौतिक विज्ञान और ऊर्जा इंजीनियरिंग में शिक्षा हासिल की है। कालांतर में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की डिग्री हासिल की है। इतना ही नहीं, शीनबाम वर्ष 2007 में नोबेल पीस प्राइज पुरस्कार पाने वाली मैक्सिको की इंटर गवर्नमेंटल कमेटी का हिस्सा रही हैं। यह बेहद महत्वपूर्ण बात है कि दुनिया के एक बड़े कैथोलिक देश में राष्ट्रपति के पद पर यहूदी महिला शीनबाम की ताजपोशी हुई है। लेकिन उन्होंने यह जगह अपने काम के बूते बनायी है। वे लंबे समय से मैक्सिको में वामपंथी राजनीति में सक्रिय रही हैं। यह विचित्र संयोग ही है कि एक तेल उत्पादक देश में सौर ऊर्जा की समर्थक रही हैं। पर्यावरण इंजीनियर के रूप में काम करने से पहले एक बैले डांसर भी रही हैं। उनकी पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता देखकर ही राष्ट्रपति लोपेज ने शीनबाम को अपने साथ जोड़ा था। हालांकि, अपने राजनीतिक गुरु निवर्तमान राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर की सरकार में शीनबाम पर्यावरण मंत्री रही हैं। उनकी लोपेज के प्रति प्रतिबद्धता को देखकर उनके विरोधी आरोप लगाते हैं कि वह एक कठपुतली राष्ट्रपति की तरह काम करेंगी।

दरअसल, बेहद अनुशासित और जुनूनी शीनबान खामोशी के साथ काम करने में यकीन करती हैं और अपनी उपलब्धियों का बखान करने से परहेज करती हैं। शीनबान मैक्सिकों में महिलाओं के खिलाफ व्यापक हिंसा के खिलाफ सख्त कदम उठाने में यकीन करती हैं। यही वजह है कि उन्हें हालिया चुनाव में महिलाओं का व्यापक समर्थन मिला है। इस चुनाव में भी महिला प्रत्याशियों के खिलाफ व्यापक हिंसा की खबरें आई हैं। निस्संदेह कार्टेल हिंसा व अवैध प्रवास की समस्या को दूर करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। दरअसल, राष्ट्रपति बनने से पहले क्लाउडिया शीनबाम मैक्सिको सिटी की पहली महिला मेयर रह चुकी हैं। उनके महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता की चर्चा मैक्सिको ही नहीं, पूरी दुनिया में हुई। खासकर उन्होंने अपराधों पर नियंत्रण के लिये जो सुनियोजित अभियान चलाए, उसके चलते इस शहर के अपराधों में पचास फीसदी तक की कमी आई थी।

क्लाउडिया ने मैक्सिको सिटी की मेयर रहते हुए कारगर रणनीति व पुलिस के आधुनिकीकरण से अपराधों पर नियंत्रण में बड़ी सफलता पाई। पुलिस को खुफिया ताकत देकर तथा अपराध नियंत्रण में नागरिकों की भूमिका बढ़ाकर उन्होंने गैंगवार की कमर तोड़ी थी। उन्होंने पुलिसकर्मियों को हाइटैक अपराधों से निपटने के लिये प्रशिक्षित किया। संगठित अपराधियों की कमर तोड़ने के लिये उन्होंने कम्युनिटी पुलिसिंग के सफल प्रयोग भी किये। जिसमें उन्हें संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न संगठनों की मदद भी मिली। साथ ही नागरिकों को सोशल मीडिया के माध्यम से सुरक्षा प्राप्त करने के उपायों की जानकारी भी दी गई। इतना ही नहीं, युवाओं को अपराध से दूर करने के लिए विशेष कार्यक्रम संचालित किये गए। युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा दी गई। उनकी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी बढ़ाई गई। वे अपराध की दुनिया से दूर रहें, इसलिए खेलों में भागीदारी बढ़ाई गई। उनके लिये रोजगार के नये अवसर सृजित किये गए। दरअसल, राजनेताओं की आदत हो गई है कि वे नागरिकों को नित नये सपने दिखाते हैं और बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कोई बड़ा बदलाव नहीं आता। यही वजह है कि जनता कुछ समय बाद खोखले वादों से तंग आकर नेतृत्व बदलाव की राह पर चल देती है। लेकिन मैक्सिको में बदलाव को अंजाम देने वाली क्लाउडिया के कामों से प्रभावित होकर जनता ने उन्हें देश के सर्वोच्च पद पर बैठा दिया।

उल्लेखनीय है कि मैक्सिको के संविधान के अनुसार राष्ट्रपति का कार्यकाल छह वर्ष का होता है और वह व्यक्ति दुबारा राष्ट्रपति नहीं बन सकता। निश्चित रूप से पितृसत्तात्मक मैक्सिको के समाज में शीनबाम की ताजपोशी इस देश में बड़े बदलाव की प्रतीक है। मैक्सिको में मोरेना पार्टी की सदस्या शीनबाम ने मैक्सिको की जनता को विश्वास दिलाया है कि वे पूर्व राष्ट्रपति लोपेज ओब्रेडोर की लोककल्याणकारी नीतियों को आगे बढ़ाने के लिये काम करती रहेंगी। बहरहाल, सदियों से पुरुष प्रधान समाज के रूप में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के लिये चर्चित मैक्सिको में शीनबाम जमीनी हकीकत में कितना बदलाव ला पाती हैं, ये आने वाला वक्त बताएगा। लेकिन इस देश की महिलाओं को शीनबाम से बड़ी उम्मीदें हैं कि वे इस देश के लिये ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में लैंगिक समानता के लिये उम्मीद की किरण बनेंगी।

पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है मटके का पानी

गर्मी में सिर्फ पानी पीने के इच्छा होती है और ऐसे में फ्रिज का ठंडा पानी मिल जाए तो इससे अच्छी बात और क्या हो सकती है। लेकिन यदि गर्मी में फ्रिज के बजाय मटके का पानी पिएंगे तो बहुत फायदेमंद होगा। मटका मिट्टी का बना होता है और मिट्टी के तत्व पानी में मिलने के बाद उसे और सेहतमंद बना देते हैं। मटके का पानी हर उम्र के लोगों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इस पानी से शरीर में होने वाली सभी गंदगी की दूर होती है। मटके का तापमान सामान्य से थोड़ा ही कम होता है जो ठंडक तो देता ही है, पाचन की क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है। अगर आपको गैस या एसिडिटी की समस्या रहती है, तो ऐसे में रोजाना मिट्टी के घड़े का पानी पीना बेहद फायदेमंद रहेगा। क्योंकि इसके सेवन से पाचन क्रिया सुचारू रूप से कार्य करती है। इसे पीने से शरीर में टेस्टोस्टेरॉन का स्तर भी बढ़ता है।

पीएच लेवल को करता है मेंटेन

मटके का पानी पीने का एक बड़ा फायदा यह भी है कि यह पीएच लेवल मेंटेन करने में सहायता करता है। ऐसा मिट्टी में मौजूद क्षारीय गुणों के कारण संभव हो पाता है। मिट्टी के यह क्षारीय गुण पानी की अम्लता के साथ प्रभावित होकर, उचित पीएच संतुलन प्रदान करता है। मटके का पानी एसिडिटी और पेट दर्द जैसी समस्याओं को दूर करने का कार्य करता है।

कैसे ठंडा करता है पानी

मिट्टी से बने होने के कारण मटके में अनेक सूक्ष्म छिद्र मौजूद होते हैं। आकार में बहुत सूक्ष्म होने के कारण इन छिद्रों को नग्न आंखों से देखना सम्भव नहीं होता। बता दें कि पानी का ठंडा होना वाष्पीकरण की क्रिया पर निर्भर होता है। जिसका मतलब जितना अधिक वाष्पीकरण उतना ज्यादा ठंडा पानी। इन सूक्ष्म छिद्रों द्वारा मटके का पानी बाहर निकलता रहता है और मटके में वाष्प बनाने के लिए गर्मी यह मटके के पानी से लेता है। इस पूरी प्रक्रिया में मटके का तापमान कम हो जाता है और पानी ठंडा रहता है।

लू से भी बचाता है

अगर आप मटके का पानी पीते हैं तो इससे आप लू से बचे रहते हैं। जैसा कि हम सभी लोग जानते हैं गर्मियों के मौसम में बहुत भीषण गर्मी पड़ती है जिसकी वजह से लोगों को सनस्ट्रोक या लू लगना एक बहुत ही आम समस्या होती है। ऐसे में घड़े का पानी पीते हैं तो आपको लाभ मिलता है क्योंकि यह पानी विटामिन और खनिज शरीर के ग्लूकोज के स्तर को बनाए रखने में सहायता करता है जिससे शरीर को ठंडक मिलती है।

कैंसर के खतरे को कम करता है

मटके का पानी पीने से कैंसर की बीमारी का खतरा बहुत कम हो जाता है। घड़े का पानी गले से संबंधी बीमारियों से बचा कर रखता है और यह हमको जुकाम खांसी की परेशानी से भी बचाता है। मटके का पानी पीना से पीएच संतुलन सही होता है। मिट्टी के क्षारीय तत्व और पानी के तत्व मिलकर उचित पीएच बेलेंस बनाते हैं जो शरीर को किसी भी तरह की हानि से बचाते हैं और संतुलन बिगड़ने नहीं देते। मटके का पानी प्राकृतिक तौर पर ठंडा होता है, जबकि फ्रिज का पानी इलेक्ट्रिसिटी की मदद से। बल्कि एक बड़ा फायदा यह भी है कि इसमें बिजली की बचत भी होती है।

वात, पित्त और कफ को करे नियंत्रित

बर्फीला पानी पीने से शरीर के तापमान में अचानक बदलाव आने लगता है। जिससे वात, पित्त और कफ बिगड़ने लगता है और सर्दी, खरास तथा कब्ज और अपच हो जाती है। वहीं मटके का पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा होने के कारण किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाता।

टॉक्सिक पदार्थों को अवशोषित करे मटका

मिटटी में मौजूद प्राकृतिक गुण पानी के सभी विषैले पदार्थ को अवशोषित कर लेते हैं और आपको एक साफ और मिरनलस से भरपूर पानी प्रदान करते हैं। साथ ही मटके का पानी ना बहुत अधिक ठंडा, ना बहुत गर्म होता है।

शरीर को ठंडक पहुंचाता है

अगर गर्मियों के मौसम में मटके का पानी पिया जाए तो यह शरीर को ठंडा रखने में बेहद मददगार साबित होता है। आपको बता दें कि मिट्टी के घड़े की सतह में छोटे-छोटे पोर्स होते हैं इनमें पानी आसानी से इवैपोरेट हो जाता है, जिससे उसकी गर्मी खत्म हो जाती है। इसी वजह से मटके में रखा हुआ पानी का तापमान कम हो जाता है। मटके का पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा होता है जो शरीर को ठंडा रखने में भी मदद करता है।

हंसना मना है

अध्यापक- टेबल पर चाय किसने गिराई? इसे अपनी मातृभाषा में बोलो। छात्र- मातृभाषा मतलब मम्मी की भाषा में? अध्यापक- हां। छात्र- अरे छाती कूटा म्हारा जीव लियां बिना थने चैन नी पड़े? ओ की थारो बाप ढोली चाय? अध्यापक बेहोश!

टीचर ने साईन्स लैब में अपनी जेब से 1 सिक्का निकाला और एसिड में डाला ओर छात्र से पूंछा ये बता कि ये सिक्का घुल जाएगा या नही.. छात्र- सर नहीं घुलेगा, सर- शाबाश लेकिन तुझे कैसे पता.. छात्र-सर अगर एसिड में डालने से सिक्का घुलना होता तो, आप सिक्का हमसे मांगते ना कि अपनी जेब से निकालते ..

नर्सरी क्लास का बच्चा बोला-मैम में आपको कैसा लगता हुं, मैम- so sweet !! बच्चा अपनी साइड के लड़के से - देखा ,मैने बोला था ना, लाइन मारती है!

टीचर- ईरादे बुलन्द होने चाहिये, पत्थर से भी पानी निकाला जा सकता है, पप्पू- मै तो लोहे से भी पानी निकाल सकता हूं, टीचर-कैसे, पप्पू- हैंडपम्प से।

कहानी — मुल्ला नसरुद्दीन का भाषण

मुल्ला नसरुद्दीन अपनी चतुराई और हाजिर जवाबी के लिए हमेशा चर्चा में रहते थे। एक दिन उन्हें शहरवासियों ने भाषण देने के लिए आमंत्रित किया। मुल्ला जब मंच पर आए, तो सभी की नजर उन पर थी। भाषण देने से पहले उन्होंने वहां उपस्थित सभी लोगों से पूछा, क्या आप लोगों को पता है कि मैं किस विषय पर बोलने वाला हूं? लोगों ने उत्तर दिया कि हमें नहीं मालूम। यह सुनते ही मुल्ला चिढ़ गए और कहने लगे, अगर आप लोगों को नहीं पता कि मैं किस विषय पर भाषण देने वाला हूं, तो मेरे भाषण देने का कोई मतलब नहीं है। और वह मंच से नीचे उतर कर चले गए। मुल्ला की इस बात को सुनकर वहां मौजूद लोग काफी शर्मिंदा हुए और उन्होंने एक हफ्ते बाद फिर से उन्हें भाषण देने के लिए आमंत्रित किया। मंच पर आने के बाद मुल्ला ने फिर से पहले वाला सवाल दोहराया, क्या आप लोगों को पता है कि मैं आज कौन से विषय पर बोलने वाला हूं? लोगों ने जवाब दिया, जी हां, हमें पता है कि आप किस विषय पर भाषण देने वाले हैं। मुल्ला ने चिढ़ते हुए कहा, अगर आप सभी को पता है कि मैं किस विषय पर भाषण देने वाला हूं, तो मेरा बोलना बेकार है। मैं अपना और आप सभी का समय बर्बाद नहीं करना चाहता हूं। यह बोलकर मंच से उतरकर मुल्ला चले गए। मुल्ला की बात सुनकर सभी लोगों ने आपस में बातचीत कर यह निर्णय लिया कि इस बार मुल्ला के सवाल पर आधे लोग कहेंगे कि हमें पता है और आधे लोग यह जवाब देंगे कि हमें नहीं पता। मुल्ला नसरुद्दीन को तीसरी बार भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया। मंच पर चढ़ने के बाद मुल्ला ने फिर से अपना सवाल दोहराया, क्या आप सभी जानते हैं कि आज मैं किस विषय पर भाषण देने के लिए आया हूं? वहां उपस्थित आधे लोगों से जवाब दिया कि हमें मालूम है और आधे लोगों ने कहा कि हमें नहीं पता। लोगों की बात सुनकर मुल्ला ने कहा, जिन लोगों को पता है कि मैं भाषण में क्या बोलने वाला हूं, वो आधे अनजान लोगों को बता दें। इतना कहकर मुल्ला मंच से नीचे उतरे और चले गए। भाषण सुनने आए सभी लोग एक दूसरे का मुंह देखते रह गए। उस दिन के बाद कभी किसी ने मुल्ला को भाषण देने के लिए नहीं बुलाया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। आय बनी रहेगी।

वृषभ कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें।

मिथुन भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा।

कर्क रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है।

कन्या सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

तुला पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। प्रमाद न करें।

वृश्चिक जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी।

धनु कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें।

मकर डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे।

मीन कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

थप्पड़ कांड के बाद फिल्मी हस्तियों पर कंगना ने निकाली भड़ास

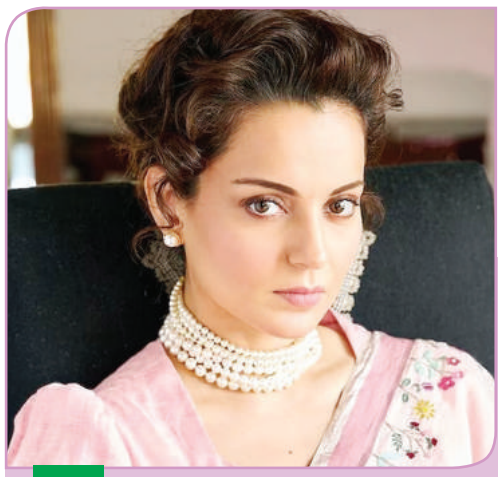

कंगना रनौत हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी की सीट पर चुनाव जीतने के बाद से ही लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। हालांकि, उनकी ये खुशी उस समय उदासी में बदल गई जब एक्ट्रेस को थप्पड़ मारा गया। दरअसल, बीते गुरुवार को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर एक सशस्त्र महिला जवान ने कंगना को थप्पड़ जड़ दिया। कुलविंदर कौर नाम की इस महिला जवान ने बताया कि वह कंगना के उस बयान से आहत थीं जो उन्होंने किसान आंदोलन के खिलाफ दिया था। कंगना रनौत के इस थप्पड़ कांड के बाद से ही पूरे देशभर में खलबली मची हुई है। सोशल मीडिया पर अचानक कंगना और उनका किसान आंदोलन वाला बयान ट्रेंड करने लगा। हालांकि, वह बॉलीवुड से भी कलाकार का इस हमले में कोई बयान नहीं आया, जिसकी वजह से अब कंगना रनौत काफी नाराज दिख रही हैं। ऐसे में फिल्म इंडस्ट्री पर तंज कसना शुरू कर दिया है। कंगना ने इस थप्पड़ कांड के बाद अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, डियर फिल्म इंडस्ट्री एयरपोर्ट पर मुझ पर किए गए हमले को या तो आप सेलिब्रेट कर रहे हैं या आपने इस पर चुप्पी साध ली है। याद रखना कल अगर आप देश की किसी सड़क या दुनिया में कहीं भी जा रहे होंगे तब कुछ इजरायली/ फिलिस्तानी आप पर आपके बच्चों पर हमला करेंगे। कंगना ने इस पोस्ट में आगे लिखा, क्योंकि आप सभी की नजरें राफा पर हैं, इजरायली होस्टेज के समर्थन में थे। तब आप देखना मैं आपकी बोलने की आजादी के लिए लड़ूंगी। अगर किसी भी दिन आपको ये लगे कि मैं ही क्यों, मैं कहां, तो याद रखना आप में नहीं हैं। हालांकि, कंगना ने कुछ ही देर बाद इस पोस्ट को डिलीट भी कर दिया।

हफ्तेभर में मिस्टर एंड मिसेज माही ने कर डाला 24.45 रुपये का कलेक्शन

राजकुमार राव और जान्हवी कपूर की मिस्टर एंड मिसेज माही 31 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मजबूत शुरुआत की थी। इसके बाद ओपनिंग वीकेंड पर भी फिल्म ने ठीक ठाक कमाई की लेकिन वीकडेज में मिस्टर एंड मिसेज माही को टिकट काउंटर पर जमे रहने के लिए स्ट्रगल करना पड़ रहा है। शरण शर्मा द्वारा निर्देशित ये फिल्म अब 2 करोड़ का कलेक्शन भी नहीं कर पा रही है। चलिए यहां जानते हैं राजकुमार-जाह्नवी की फिल्म ने रिलीज के 7वें दिन यानी गुरुवार को कितना कारोबार किया है? मिस्टर एंड मिसेज माही को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक हफ्ता पूरा हो गया है। इस रोमांटिक स्पोर्ट्स ड्रामा को क्रिटिक्स और दर्शकों से अच्छे रिव्यू तो मिले लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में कमाल नहीं कर पाई। अच्छी शुरुआत करने के बाद इस फिल्म का बिजनेस गिरता चला गया और वीकडेज में तो फिल्म कारोबार ठंडा ही पड़ गया।

फिल्म की कमाई की बात करें तो इसने 6.75 करोड़ से खाता खोला था। इसके बाद दूसरे दिन मिस्टर एंड मिसेज माही ने 4.6 करोड़ कमाए। तीसरे दिन 5.5 करोड़, चौथे दिन 2.15 करोड़, पांचवें दिन 1.85 करोड़ और छठे दिन भी फिल्म ने 1.85 करोड़ रुपये का ही कलेक्शन किया। वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के सातवें दिन यानी गुरुवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मिस्टर एंड मिसेज माही ने रिलीज के सातवें दिन गुरुवार को 1.75 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसी के साथ मिस्टर एंड मिसेज माही का सात दिनों का कुल कलेक्शन अब 24.45 करोड़ रुपये हो गया है। मिस्टर एंड मिसेज माही बॉक्स ऑफिस पर धीमी रफ्तार से कमाई कर रही है। 40 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने अपनी आधी से थोड़ी ज्यादा लागत तो वसूल कर ली है लेकिन अब इस फिल्म को हॉरर मूवी मुंज्या से टक्कर मिलने वाली है। बता दें कि इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में शरवरी वाघ की मुंज्या रिलीज हो रही है। मुंज्या का निर्माण स्त्री और भेड़िया बना चुके दिनेश विजान ने किया है और इसका निर्देशन आदित्य सपोरतदार ने किया है। अब देखने वाली बात होगी कि इस हॉरर फिल्म के आगे मिस्टर एंड मिसेज माही कितना कलेक्शन कर पाती है।

14 जून को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी विजय सेतुपति की महाराजा

विजय सेतुपति साउथ के अलावा अब बॉलीवुड में भी काफी मशहूर हो चले हैं। बॉलीवुड में उन्होंने जवान, फर्जी और मेरी क्रिसमस जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। तमिल सिनेमा के अभिनेता को उनके हर रोल में अलग क्रिएटिविटी के लिए जाना जाता है। अब विजय सेतुपति की आने वाली फिल्म महाराजा इस वक्त सुर्खियों में है और चर्चा बटोर रही है। हाल ही में इस फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट के बारे में भी पता चल गया है।

मेकर्स ने 5 जून को इस फिल्म के थिएटर्स में रिलीज होने की घोषणा की थी। महाराजा 14 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इससे पहले फैंस का उत्साह दोगुना हो गया है। फिल्म रिलीज होने से पहले ही लोगों ने उल्टी गिनती शुरू कर दी है। विजय सेतुपति ने खुद इंस्टाग्राम पर फिल्म रिलीज डेट का खुलासा करते हुए पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि महाराजा 14 जून को रिलीज हो रही है। इसके अलावा ऐसी रिपोर्ट्स सामने आई हैं, जिनमें कहा गया है कि फिल्म निर्माताओं ने विजय सेतुपति की फिल्म के ओटीटी राइट्स नेटफ्लिक्स को बेच दिए हैं।

बता दें कि कुछ दिन पहले रिलीज हुआ फिल्म का ट्रेलर लोगों को खूब पसंद आ रहा है। इसकी शुरुआत विजय सेतुपति के किरदार से होती है, जो पुलिस स्टेशन में खुद को महाराजा बताता है। वह के. के. नगर का एक नाई है और चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाने आता है। वह इस बात का दावा करता है।

अजब-गजब | अंटार्टिका: माइनस 20-30 डिग्री चला जाता है यहां का तापमान

यहां मई-जून में पड़ती है कड़ाके की ठंड

मई-जून के महीने में कई जगहों पर भीषण गर्मी पड़ती है। लू के थपेड़ों से लोगों का हाल बेहाल हो जाता है। कई जगह पर तो पारा 45-50 डिग्री तक पहुंच जाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि कई जगहें ऐसी भी हैं जहां मई जून के महीने में कड़ाके की ठंडी भी पड़ती है। इन जगहों पर पारा माइनस में पहुंच जाता है। यहां मई जून के महीने में इतनी ठंड पड़ती है कि हीटिंग करने वाली मशीन भी फेल हो जाती हैं।

हम बात कर रहे हैं साउथ पोल यानि अंटार्टिका की। जहां जून से लेकर अगस्त के महीने में लोग गर्मी की वजह से पसीने से तर-बतर हो जात हैं, वहां अंटार्टिका में तापमान -20 से -30 डिग्री फारेनहाइट के भी बीच होता है। इस मौसम में लोगों को वहां ना जाने की सलाह दी जाती है। दरअसल इस समय वहां तेज़-ठंडी हवाएं चलती रहती हैं और सूरज बिल्कुल भी नहीं निकलता। वहां 24 घंटे अंधेरा बना रहता है और इंसान का खून तक जम जाने की स्थिति होती है। इस दौरान वहां हीटिंग इंस्ट्रूमेंट भी काम नहीं करते।

इसके अलावा अर्जेंटीना भी ऐसा देश है, जहां जून से अगस्त तक तापमान गिरा हुआ रहता है। इस दौरान यहां 15-18 डिग्री सेल्सियस तक टेंपरेचर रहता है। इसके साथ ही मदागास्कर आइलैंड में भी जून महीने में तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से भी कम हो जाता है। कई बार यहां 12 डिग्री सेल्सियस तक भी तापमान पहुंच जाता है।

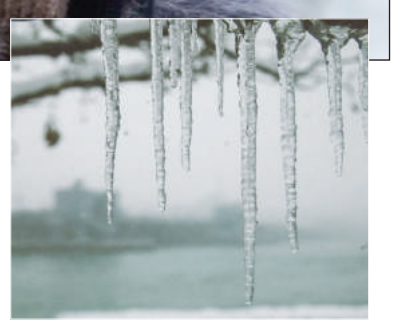

इसके अलावा कुछ अन्य देश भी ऐसे हैं, जहां इस समय ठंड पड़ती है। दरअसल, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और ग्रीनलैंड में भी इस समय ठंड का माहौल होता है। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू, बोलीविया और ऑस्ट्रेलिया के कुछ बीचेज़ पर जून-जुलाई के मौसम में तापमान 15-19 डिग्री के बीच होता है।

दिखने में लगा साधारण कीड़ा, लेकिन एक झटके में मार देता है सांप, दहशत में लोग!

दुनिया में कई ऐसे जीव हैं, जिन्हें देखकर आपको हैरानी होगी, डर लगेगा और शायद ये भी मेहसूस हो कि वो किसी और दुनिया के प्राणी हैं। कई तो दिखने में साधारण से लगते हैं पर होते बेहद खतरनाक हैं। हाल ही में एक शख्स ने सोशल मीडिया पर ऐसे ही एक जीव की फोटो को पोस्ट किया, जिसे देखकर हर कोई हैरान हो गया। ये कीड़ा इतना अजीब है, कि शायद नॉर्मल लाइफ में किसी ने इसे नहीं देखा होगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट के ग्रुप ह/2द्धह्लह्लद्धद्धहाड्ढद्ध पर हाल ही में एक शख्स ने एक कीड़े की फोटो पोस्ट की। दिखने में ये कीड़ा मकड़ी, बिच्छू और चींटी का मिक्स ब्रीड लग रहा है, मगर असल में ये क्या है, वो शख्स को भी नहीं मालूम है। शख्स ने कमेंट सेक्शन में बताया कि वो अमेरिका के कैलिफोर्निया में इरविन का रहने वाला है। उसने लिखा- ये कीड़ा मेरे घर में घूम रहा था। ये काफी बड़ा और डरावना है। उसने लोगों से पूछा कि वो क्या है।

शख्स ने कमेंट में लिखा- ये कीड़ा मुझे एलियन जैसा लग रहा है, मैं इसे देखकर डर गया था। मैं नहीं बता सकता कि ये चींटी है, बिच्छू है या फिर कोई मकड़ी। हालांकि, बहुत लोगों ने कमेंट में अंदाजा लगाया और दावे से भी बताया कि वो क्या हो सकता है। एक यूजर ने कहा कि वो सॉलिफ्यूगाए स्ध्द्धद्धह्लद्धद्धद्ध यानी सन स्पाइडर हो सकता है। इनके काटने पर तीव्र दर्द होता है और अगर इन्हें मौका मिले तो ये सांप-बिच्छू पर भी हमला कर के उन्हें मौत के घाट उतार सकते हैं। उसने बताया कि कैलिफोर्निया के माजावे रेगिस्तान में ये पाई जाती हैं। फोटो पोस्ट करने वाले यूजर ने बताया कि उसने इंटरनेट पर रिसर्च की और उसे पता चला कि वो पेल विंड स्पाइडर है। एक ने कहा कि ये जीव इंसानों के लिए जहरीले नहीं होते, पर उनके काटने पर तेज दर्द होता है। ये जीव दीमक या बीटल जैसे छोटे कीड़ों को खाता है, पर इसके जबड़े इतने मजबूत होते हैं कि ये बिच्छू, सांप, छिपकली, पक्षी या चूहों तक से भिड़ सकता है।

पतन की ओर बढ़ने लगें हैं नीतीश : चितरंजन

» सीएम नीतीश कुमार के अभिवादन पर राजद ने घेरा

» राजद ने सोशल मीडिया पर किया वीडियो वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। संसद में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बैठक हुई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस बैठक में शामिल हुए। नीतीश कुमार ने इस अवसर पर नरेंन्द्र मोदी के सामने झुककर उनका अभिवादन किया। बिहार के सीएम के इस आचरण पर उन्हें राजद ने घेरा है। राजद ने बोला वह गिर गए हैं। गौरतलब हो कि सीएम नीतीश ने पीएम मोदी को प्रधानमंत्री के तौर पर समर्थन देने की बात कही। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी पीएम मोदी को भारत के प्रधानमंत्री पद पर समर्थन देती है।

अपना संबोधन खत्म करने के बाद सीएम पीएम नरेंद्र मोदी के बाद आए। पीएम भी सीएम नीतीश को देखते ही खड़े हो गए। दोनों नेताओं ने एक दूसरे का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद सीएम अपनी सीट पर जाकर बैठ गए। कुछ देर बाद पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी की ओर से एक वीडियो शेयर किया गया। इसमें लिखा था लज्जास्पद, पतन की पराकाष्ठा! कितना गिर गए नीतीश! राजद की ओर से जारी किया गया यह वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। वीडियो के जरिए राजद प्रवक्त। चितरंजन गगन आरोप लगा रहे हैं कि सीनियर होने के बावजूद सीएम नीतीश कुमार ने पीएम मोदी की पैर छूने की कोशिश कर रहे थे।

पीएम मोदी

हालांकि पीएम मोदी ने उनका हाथ पकड़ लिया। लेकिन, यह दुखद है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि इस तस्वीर को देखकर लगता है कि अब सीएम नीतीश कुमार पतन की ओर बढ़ने लगे हैं। इधर, एक और तस्वीर वायरल हो रही है। राजधानी के कोतवाली के बाद एक सीएम नीतीश कुमार का एक बड़ा पोस्टर लगाया गया है। सियासी गलियारे में इस पोस्टर की खूब चर्चा हो रही है। इसमें सीएम नीतीश की तस्वीर के दाएं और बाएं दो बाघ भी हैं। और, लिखा गया है, टाइगर जिंदा है। पोस्टर लगाने वाले का नाम सोना सिंह है। सोशल मीडिया पर भी यह तस्वीर खूब वायरल हो रही है।

जेल में हेमंत के साथ हो रहा दुर्व्यवहार : कल्पना सोरेन

पत्नी ने किया पोस्ट

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नेता ने दावा किया कि जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ वैसा ही व्यवहार किया जा रहा है, जैसा जेसुइट पादरी स्टैन स्वामी के साथ किया गया था। दरअसल, स्टैन स्वामी की पुलिस हिरासत में ही मौत हो गई थी। झामुमो नेता के अनुसार, पादरी स्टैन स्वामी ने आदिवासियों के अधिकार के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के फेसबुक से एक पोस्ट किया गया, जिसमें कहा गया कि यह लोकसभा चुनाव झारखंड के लिए स्वामी की हिरासत में मौत का बदला लेने की शुरुआत है। बता दें कि हेमंत सोरेन का फेसबुक अकाउंट फिलहाल उनकी पत्नी कल्पना सोरेन संचालित कर रही हैं। हेमंत सोरेन को भूमि घोटाला मामले के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा गया, जिस तरह से कमजोर वर्ग के लिए आवाज उठाने वाले फादर स्टैन की आवाज को अन्याय की संस्था ने खामोश कर दिया, आज ठीक उसी तरह का व्यवहार हेमंत सोरेन के साथ किया जा रहा है। आज सभी झारखंड वासियों को हेमंत सोरेन के समर्थन में डटकर खड़े रहने की जरूरत है, वरना झारखंड को मणिपुर में बदलने में देर नहीं लगेगा।

संसद में तानाशाही के दिन खत्म, लोस में विपक्ष होगा मजबूत : अब्दुल्ला

» बोले- एनडीए सरकार बनने के बाद बनेगी रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि तानाशाही के दिन खत्म हो गए हैं और नई लोकसभा में विपक्ष मजबूत होगा। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों ने अपना फैसला सुना दिया है और संविधान को बचा लिया गया है। एक सवाल के जवाब में फारूक अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, कि इस बार मजबूत विपक्ष होगा। जब मैं संसद में था, तब हम कमजोर थे। कोई हमारी बात नहीं सुनता था और तानाशाही थी, लेकिन भगवान का शुक्र है कि अब तानाशाही खत्म हो गई है।

एनडीए द्वारा लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के बारे में पूछे जाने पर फारूक अब्दुल्ला ने कहा, उन्हें सरकार बनाने दीजिए, फिर हम देखेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या नई एनडीए सरकार सफल होगी, अब्दुल्ला ने कहा, हमें इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए कि क्या होता है। उन्होंने कहा, लोगों के पास शक्ति है और यह इन

चुनावों में साबित हुआ है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। लोगों के पास वोट करने की शक्ति है और वे किसी को भी बना या बिगाड़ सकते हैं। एग्जिट पोल का जिक्र करते हुए, नेकां अध्यक्ष ने कहा कि पोल करने वालों को अपनी दुकानें बंद कर देनी चाहिए और लोगों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा, जिन लोगों ने 370-400 पार का दावा किया था, मुझे लगता है कि उन्हें ये एग्जिट पोल बंद कर देने चाहिए, उन्हें अपनी दुकानें बंद कर देनी चाहिए। इन लोगों (एग्जिट पोल करने वालों) को लोगों के बीच गलतफहमी पैदा करने के लिए लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

जलकल विभाग की बड़ी-बड़ी बातें हुईं हवा

» नगर निगम जोन एक की 50 हजार की आबादी रोज होती परेशान

» पार्षदों ने कई बार की शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम का जलकल विभाग की बड़ी-बड़ी बातें एकबार फिर हवाहवाई साबित हो रही हैं। चार साल से अधिक समय हो गया पर सीवर समस्या का समाधान नहीं निकल पा रहा है।जलकल के सभी दावों के बाद भी सीवर की समस्या खत्म नहीं हो रही है। जोन एक में चार साल से करीब 50 हजार से ज्यादा की आबादी सीवर चोक होने की समस्या झेल रही है। यहां स्मार्ट सिटी के तहत पंपिंग स्टेशन बनना था। उसके लिए करोड़ों रुपए का बजट जारी हुआ। बावजूद उसके काम नहीं हुआ है।

इसकी वजह से लोगों की समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। इसके लिए सीवर का काम देखने वाली कंपनी सुएज इंडिया वाले भी शिकायतों का निस्तारण नहीं करते है। पिछले 30 साल से ज्यादा समय से पार्षद रहने वाले शफीकुल रहमान चाचा ने इसको लेकर शिकायत भी दर्ज कराई है। उनका कहना है कि चार साल से पंपिंग स्टेशन का काम नहीं हुआ है। अगर यह काम समय से पूरा हो गया होता तो यह दिक्कत नहीं आती। लोगों इसको लेकर पार्षद से शिकायत करते है। उन्होंने बताया कि बारिश का समय आने वाला है। उस दौरान दिक्कत और बढ़ जाती है। इसको लेकर वह मेयर और नगर आयुक्त से लेकर नगर निगम सदन तक में आवाज उठा चुके हैं। हालांकि उसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं निकल रहा है। इसके अलावा सरल 1989 से नगर निगम सदन के पार्षद रहने वाले यावर हुसैन रेशू ने भी धीमे काम लेकर शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि पंपिग स्टेशन का असर 50 हजार परिवार पर सीधे है। इसके अलावा अगर यह काम हो जाता है। बाकी वार्ड में भी इससे फायदा मिलेगा। साल 1995 से पार्षद अब तक नगर निगम सदन के सदस्य रहने वाले कामरान बेग बताते हैं कि इसको लेकर अब शिकायत करना भी बंद कर दिया गया है। स्मार्ट सिटी के तहत इतना धीमे काम होगा यह हम लोगों ने कभी सोचा नहीं था।

चार साल से नहीं खत्म हुई सीवर की समस्या

घर से निकलते ही सीवर में जाना पड़ता है

ओडियन सिनेमा के पास रहने वाले रफीम अहमद बताते हैं कि यहां सीवर की समस्या बड़े पैमाने पर है। घर से निकलने के बाद मोहल्ले के किसी भी गल्ली में जाओ तो आपको अपना पैर सीवर में पानी में डालना पड़ता है। उन्होंने बताया कि यहां चार साल से स्मार्ट सिटी के तहत काम हो रहा है। लेकिन उसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं निकल पाया है। उन्होंने बताया कि इसको लेकर वह लोग पार्षद से भी शिकायत दर्ज करा चुके है।

अफगानिस्तान के गेंदबाजों के आगे नाचे कीवी

» टी-20 विश्वकप : न्यूजीलैंड को 84 रनों से रौंदा

» राशिद और फजलहक की बेहतरीन गेंदबाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयार्क। कप्तान राशिद खान और फजलहक फारूकी की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद रहमानुलाह गुरबाज की आक्र ामक बल्लेबाजी के दम पर अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप ग्रुप सी के मैच में न्यूजीलैंड को 84 रन से हरा दिया। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। अफगानिस्तान ने गुरबाज और इब्राहिम जदरान के बीच पहले विकेट के लिये 103 रन की साझेदारी के दम पर छह विकेट पर 159 रन बनाये।

आईपीएल चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स के लिये खेलने वाले गुरबाज ने 56 गेंद में पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से 80 रन बनाये। वहीं इब्राहिम 41 गेंद में 44 रन बनाकर आउट हुए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 15.2 ओवर में 75 रन पर आउट हो गई जो टी20 क्रिकेट में उसका चौथा न्यूनतम स्कोर है। फारूकी और राशिद दोनों ने 17-17 रन देकर चार-चार विकेट लिये। गुरबाज और इब्राहिम ने युगांडा पर पहले मैच में मिली 125 रन से जीत में 154 रन की साझेदारी की थी। टी20 विश्व कप में लगातार दो शतकीय साझेदारियां करने वाली यह तीसरी जोड़ी और पहली सलामी जोड़ी है। दोनों 15वें ओवर तक डटकर बल्लेबाजी करते रहे जब तक कि इब्राहिम आउट नहीं हुए। गुरबाज 20वें ओवर में पवेलियन लौटे।

कीवी टीम ने फील्डिंग में बरती ढिलाई

सीमित ओवरों के पिछले छह विश्व कप में कम से कम सेमीफाइनल तक पहुंची न्यूजीलैंड टीम खिताब के प्रबल दावेदारों में से एक मानी जा रही है। उसने हालांकि कोई अभ्यास मैच नहीं खेला और अधिकांश कीवी खिलाड़ियों ने कई दिनों से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने कई कैच टपकाये, ओवरथ्रो किये और फील्डिंग में ढिलाई बरती। दस ओवर के बाद अफगानिस्तान का स्कोर बिना किसी नुकसान के 55 रन था। उसके बाद इब्राहिम और गुरबाज ने आक्रामक तेवर अख्तियार करके रनगति को तेजी से आगे बढ़ाया और आखिरी दस ओवरों में 104 रन बने। न्यूजीलैंड के लिये सिर्फ दो ही बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स (18) और मैट हेनरी (12) दोहरे अंक तक पहुंच सके।

नीट परीक्षा में धांधली को लेकर मचा बवाल

» लोगों की मांग- सीबीआई जांच हो, फिर से एग्जाम हो

» जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क ने नीट परीक्षा 2024 के रिजल्ट पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट परीक्षा में हुई धांधली पर बवाल मचा है। कांग्रेस समेत कई दलों ने सरकार पर सवाल उठाया है। नेताओं ने कहा कि इसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए। वहीं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) 2024 में हुई कथित तौर पर गड़बड़ियों के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग की है।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के अध्यक्ष प्रदीप कुमार जोशी को लिखे पत्र में डॉक्टरों ने सभी छात्रों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी मूल्यांकन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए पुन: परीक्षा का भी अनुरोध किया।

ग्रेस मार्क्स के लिए कोई परिभाषित तर्क नहीं : आईएमए

आईएमए जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क ने कुछ छात्रों को सही अंक मिलने, घोषित अंकों में बेमेल और ओएमआर शीट की तुलना में ग्रेस मार्क्स की अवधारणा और पेपर लीक के मुद्दे पर चिंता जताई है। डॉक्टरों ने शिकायत की कि कुछ छात्रों ने 718 और 719 अंक हासिल किए हैं। इन छात्रों को दिए गए ग्रेस मार्क्स के लिए कोई परिभाषित तर्क नहीं है। छात्रों को दिए गए ग्रेस मार्क्स के अनुसार कोई सूची साझा नहीं की गई है।

परीक्षा रिजल्ट के समय पर उठे रहे सवाल

पत्र में उल्लेख किया गया कि परीक्षा का रिजल्ट उस दिन समय से पहले घोषित किए गए जब मीडिया आम चुनावों के परिणामों को प्रसारित करने में व्यस्त था। इस तात्कालिकता का कारण क्या है? कट-ऑफ में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। पत्र में डॉक्टरों ने कहा, हम एनईईटी 2024 में उपरोक्त अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग करते हैं। हम सभी छात्रों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी मूल्यांकन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए पुन: परीक्षा का भी अनुरोध करते हैं।

कई जगह हुआ था पेपर लीक

वहीं, डॉक्टरों ने शिकायत की कि कई स्थानों पर नीट 2024 पेपर लीक हो गई थी, लेकिन इस मामले पर कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। वहीं, कई छात्रों को ओएमआर शीट की तुलना में उनके स्कोरकार्ड पर अलग-अलग अंक प्राप्त हुए। जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि नीट 2024 के नतीजे समय से पहले घोषित किए गए।

'पटेल को ईडी ने नहीं बीजेपी ने दी राहत'

» भ्रष्टाचार मामले में एनसीपी सांसद को मिली ईडी से राहत पर उठा सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। अजित पवार गुट के एनसीपी सांसद प्रफुल्ल पटेल को बड़ी राहत देते हुए मुंबई की एक अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें उनकी 180 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त करने की मांग की गई थी। इस फैसले पर बवाल उठ रहा है। अब उद्धव गुट के सांसद संजय राउत की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता और सांसद संजय राउत ने कहा, कि ईडी ने राहत नहीं दी है, बीजेपी ने राहत दी है। ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग बीजेपी की एक्सटेंडेड ब्रांच है।

ईडी ने 2022 में प्रफुल्ल पटेल, उनकी पत्नी और उनकी कंपनी के स्वामित्व वाले सीजे हाउस में सात फ्लैटों को कुर्क किया था। इस कुर्की की बाद में पीएमएलए के निर्णायक प्राधिकारी ने पुष्टि की थी। ईडी ने आरोप लगाया था कि ये संपत्तियां ड्रग माफिया इकबाल मिर्ची (अब जिंदा नही है) की विधवा से अवैध लेनदेन के जरिए हासिल की गई थीं। ट्रिब्यूनल ने यह भी माना कि जिन एफआईआर पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था, उनमें पटेल या उनकी पत्नी का कभी भी मामले में आरोपी के रूप में नाम नहीं था। सूत्रों के मुताबिक एजेंसी ऑर्डर की समीक्षा कर रही है और जल्द ही आदेश के खिलाफ अपील उच्च न्यायालय में की जा सकती है।

ईडी ने 2022 में की थी कार्रवाई

साल 2022 में ईडी ने वर्ली में सीजे हाउस की चार मंजिलों पर स्थित सात फ्लैट्स को प्रोविजनली अटैच किया था जो की कथित तौर पर पटेल से जुड़ी थी। ईडी ने यह कदम दाऊद इब्राहिम के करीबी सहयोगी इकबाल मिर्ची से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत उठाया था। इस बात की चर्चा बहुत हुई क्योंकि पहली बार एजेंसी ने इकबाल मिर्ची और पूर्व डीएचएफएल प्रमोटरों कपिल और धीरज वधावन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के संदर्भ में किसी राजनेता से जुड़ी संपत्तियों को अपराध की आय के रूप में माना था।

ओडिशा, आंध्र-अरुणाचल... नई सरकार के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे पीएम मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी 9 जून, रविवार को शाम 7:15 बजे लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर राष्ट्रपति भवन ने बयान भी जारी कर दिया है। प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद अगले तीन दिनों का उनका कार्यक्रम सामने आ गया है।

जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद नरेंद्र मोदी अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जाएंगे। यहां पर हाल में ही खत्म हुए विधानसभा चुनाव के बाद नए मुख्यमंत्री का शपथ समारोह होगा। प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद नरेंद्र मोदी 10 को भुवनेश्वर जायेंगे। वो ओडिशा राज्य सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद वो 11 जून को अरुणाचल प्रदेश के शपथ ग्रहण समारोह का हिस्सा बनेंगे। वहीं, 12 तारीख को आंध्र प्रदेश में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। जानकारी के अनुसार, 12 तारीख की शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनारस भी आ सकते हैं। इस दौरान वो गंगा आरती, बाबा विश्वनाथ के दर्शन भी कर सकते हैं।

फिर जलाएगी गर्मी, चढ़ेगा पारा

» मौसम विभाग ने कहा सतर्क रहें लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर फिर शुरू हो गया है। आंधी-बारिश में पांच डिग्री तक गिरा दिन का पारा शुक्रवार को 4 डिग्री तक बढ़ गया। वहीं रात के पारे ने भी तेजी दिखाई है और ज्यादातर हिस्सों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान में भी 4 डिग्री तक की वृद्धि दर्ज हुई है।

बाराबंकी में दिन का तापमान बृहस्पतिवार को 38 डिग्री था, जो शुक्रवार को बढ़कर 42 डिग्री हो गया। मौसम विभाग ने चेताया है कि भीषण गर्मी के लिए तैयार हो जाएं। एक सप्ताह तक गर्मी, लू के हालात प्रदेश में बने रहेंगे। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। प्रदेश के कई हिस्सों में लू का प्रकोप भी बना रह सकता है।

मौसम के 13 जून तक शुष्क रहने के आसार

मौसम 13 जून तक शुष्क रहने के आसार है। प्रदेश में इन दिनों में लू चलने को लेकर ऑरेंज अलर्ट मौसम विभाग ने जारी किया है। बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, कानपुर, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी ललितपुर और आसपास के इलाकों के लिए लू का आरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संतरविदास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, कन्नौज, रायबरेली, हाथरस, मैनपुरी व आसपास के इलाकों में लू का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

फैक्टरी में लगी भीषण आग, तीन लोगों की गई जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नरेला औद्योगिक इलाके में मूंग दाल ड्राई करने वाली फैक्टरी में शनिवार तड़के साढ़े तीन बजे भीषण आग लग गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल कर्मियों ने आग में फंसे नौ कर्मचारियों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। जहां तीन को मृत घोषित कर दिया गया।

मरने वालों की पहचान श्याम, राम सिंह और बीरपाल के रूप में हुई है। घायलों को सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायलों में कुछ लोगों को भागने के दौरान चोट लगी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि फैक्टरी में कच्चे मूंग को गैस बर्नर पर भूना जाता है, पाइप लाइन में से एक में गैस लीक होने से आग फैल गई। जिससे कंप्रेसर गर्म हो गया और उसमें विस्फोट हो गया।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा हो गया। यहां जम्मू स्थित वैष्णों देवी के दर्शन करके छत्तीसगढ़ जा रही श्रद्धालुओं की बस अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना से मौके पर चीख पुकार मच गई। लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। आसपास के लोगों की मदद से बस से लोगों को बाहर निकाला गया।

हादसे में बच्ची सहित दो की मौत हो गई। जबकि करीब 35 श्रद्धालु घायल हैं। चालक को झपकी आने से हादसा होना बताया जा रहा है। हादसा एक्सप्रेसवे पर नसीरपुर थाना क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 51 के पास हुआ। 28 मई को श्रद्धालुओं से भरी बस छत्तीसग? से जम्मू स्थित मां वैष्णों देवी के दर्शन के लिए गई थी। बस में सभी 65 लोग छत्तीसगढ़ के रहने वाले सवार थे। श्रद्धालु मां वैष्णों देवी के दर्शन करके वृंदावन पहुंचे थे। यहां से बीती रात करीब 1 बजे प्रयागराज होते हुए छत्तीसगढ़ जाने के लिए निकले।

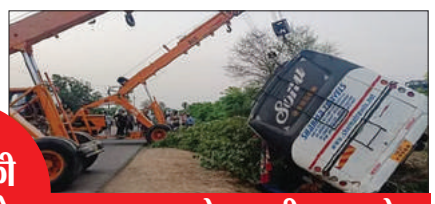

बच्ची सहित दो की मौत, 35 लोग घायल

चालक को झपकी आ जाने से बस हुई अनियंत्रित

किमी संख्या 51 के पास चालक को झपकी आ जाने से बस अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे से नीचे गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में 35 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। जबकि महिला एवं बच्ची की मौत हो गई। घटना की जानकारी पर पुलिस एवं यूपीडा की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायलों को नजदीकी चिकित्सालय एवं मेडिकल कॉलेज, फिरोजाबाद में भर्ती कराया। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।